हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 41 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 18 फरवरी से 24 फरवरी 2022

नगरसेवक योगिराज दाभडकर का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

मुंबई : अंधेरी पश्चिम वार्ड नं 60 के कार्यसम्राट व लोकप्रिय नगरसेवक योगिराज दाभडकर का जन्मदिन उनके कार्यालय पर वसोर्वा विधानसभा की भाजपा आमदार अंधेरी विधानसभा डॉ. भारती लवेलकर, रंजना पाटिल पार्षद वार्ड 63 अंधेरी पश्चिम की उपस्थिति में बड़ी धूमधाम से मनाया गया ,और सभी कार्यकर्ता व उनके प्रशंसकों का तांता लगा रहा. आमदार डॉ.भारती लवेलकर ने उनके काम की तारीफ की व उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दी .शॉल पहनाकर व गुलदस्ता देकर भव्य स्वागत किया. योगिराज अपने वार्ड में दिन हो या आधी रात हो, खुद वह जगह पर पहुंचकर काम पुरा करवाते है. हमनें ऐसा नगरसेवक आज तक कोई इस वार्ड में देखा नही है इस तरह से काम करतें हुए.

भाजपा के खिलाफ लामबंदी: महाराष्ट्र जाएंगे केसीआर

20 फरवरी को उद्धव ठाकरे से करेंगे मुलाकात

तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर से मुलाकात करने जा रहे हैं. खबर है कि दोनों नेताओं के बीच यह बैठक 20 फरवरी को आयोजित होगी. सीएम ठाकरे ने फोन पर बात कर तेलंगाना के अपने समकक्ष को मुंबई आने का न्यौता दिया है. इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ मोर्चा तैयार करने को लेकर बड़ी चर्चा हो सकती है. खास बात है कि केसीआर पहले भी गैर-भाजपाई मुख्यमंत्रियों से एकजुट होने का आह्वान कर चुके हैं. राव जल्द ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मुलाकात कर सकते हैं.समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, तेलंगाना मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से आधिकारिक बयान जारी किया गया है, तेलंगाना सीएम के चंद्रशेखर राव 20 फरवरी को मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से सीएम ठाकरे के निमंत्रण पर मुलाकात करेंगे. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने संघीय न्याय के लिए सीएम केसीआर की तरफ से शुरू की गई जंग में पूरा समर्थन जाहिर किया है. भाषा के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ फोन पर बात की और भाजपा की कथित ह्यध्रुवीकरण की राजनीति के खिलाफ राव की लड़ाई को समर्थन जताया. मुख्यमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि राव ने गौड़ा से कहा कि वह बेंगलुरु का दौरा कर इस मुद्दे पर उनसे मुलाकात करेंगे. हाल ही में राव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि इसे देश से निष्कासित कर देना चाहिए नहीं तो देश ह्यबर्बादह्न हो जाएगा. उन्होंने भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए सियासी ताकतों से एक साथ आने की अपील की थी. उन्होंने कहा था, ह्यपूरा देश हिजाब मुद्दे पर शांत है, क्या होगा अगर कर्नाटक की तरह यह नफरत पूरे देश में फैल गई तो? नफरत की राजनीति से बचना चाहिए. देश की सभी राजनीतिक ताकतों को एक साथ आना चाहिए और भाजपा को बाहर कर देना चाहिए.

महाराष्ट्र में 10 मार्च को होगा कैबिनेट मंत्रियों का फेरबदल, नाना पटोले का दावा

मुंबई. महाराष्ट्र के कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बुधवार को बड़ा बयान दिया है. उन्होंने दावा किया है कि 10 मार्च को महाराष्ट्र की सरकार में बड़ा फेरबदल होगा. ये फेरबदल कैबिनेट में होगा. नाना पटोले ने यह बयान महाराष्ट्र के भंडारा में एक रैली में दिया है. बता दें कि 10 मार्च को उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर, उत्तराखंड और गोवा के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने वाले हैं. इससे पहले मंगलवार को शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने बीजेपी पर आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी गठबंधन की सरकार को वो अस्थिर करने की कोशिश कर रही है. इस समय महाराष्ट्र में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के गठबंधन की सरकार है. मंगलवार को संजय राउत ने कहा था, मुझसे कुछ भाजपा नेताओं ने संपर्क किया था, उन्होंने मुझसे कहा कि या तो उनके सामने आत्मसमर्पण कर दो या वे सरकार गिरा देंगे. शिवसेना नेता संजय राउत ने मंगलवार को यह भी दावा किया था कि भाजपा के कुछ नेताओं ने उनसे पाला बदलने के लिए संपर्क किया था. उन्होंने उन्हें चेतावनी दी थी कि ऐसा नहीं करने पर उन्हें कीमत चुकानी होगी. राउत ने कहा था,

मुझसे कहा गया कि अगर मैं मदद नहीं करता हूं, तो केंद्रीय एजेंसियां मुझे ठीक कर देंगी और मैं बाद में अपने फैसले पर पछताऊंगा.

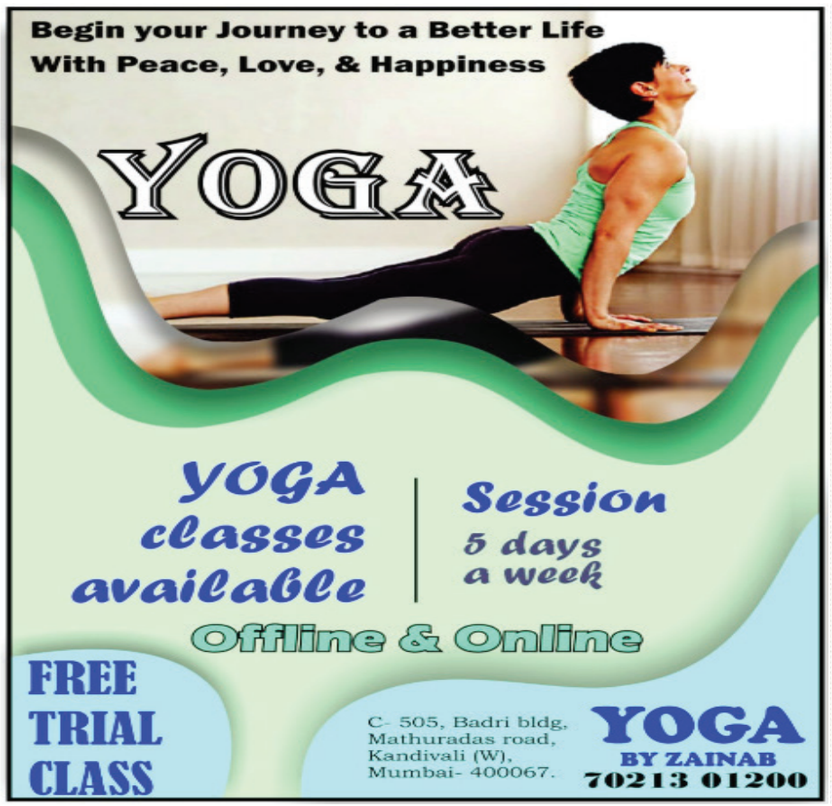

संजय राउत का दावा- जल्द ही जेल से बाहर होंगे अनिल देशमुख और BJP के कुछ नेता अंदर दिखेंगे

मुंबईः शिवसेना सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी को केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल की धमकी नहीं देनी चाहिए. इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेता आने वाले चंद दिनों में जेल में होंगे.राउत ने हालांकि उन नेताओं के नाम बताने से इनकार किया. उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह मंगलवार को मुंबई में शिवसेना मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान इसका खुलासा करेंगे. संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के प्रमुख नेता भी मौजूद रहेंगे.उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले साल नवंबर में धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार राज्य के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख जल्दी ही जेल से बाहर आएंगे.

भाजपा ने अतीत में महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे नीत महा विकास आघाड़ी सरकार के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं.राउत ने कहा कि शिवसेना और ठाकरे परिवार के खिलाफ लगाए गए सभी झूठे आरोपों और केंद्रीय एजेंसियों की ह्यदादागिरीह्ल का जवाब दिया जाएगा.उन्होंने कहा, ह्यहमें केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल की धमकी नहीं दें. हम डरने वाले नहीं हैं. आप जो चाहें, करें, मुझे नहीं डरा सकतेह्ल वे कहते रहते हैं कि अनिल देशमुख के साथ फलां-फलां नेता जेल जाएंगे.

महाराष्ट्र में थमी कोरोना संक्रमण की रफ्तार

तीसरी लहर में एक दिन में अब तक के सबसे कम मामले, पॉजिटिविटी रेट भी गिरा

मुंबईः महाराष्ट्र में कोरोना की तीसरी लहर में सोमवार को अकेले एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे कम मामले सामने आए हैं. पिछले 49 दिनों में सोमवार को राज्य में कोविड-19 के 1966 केस मिले हैं. हालांकि अधिकारियों ने कहा कि पिछले 24 घंटों में कम टेस्टिंग होने की वजह से संक्रमण के मामलों में कमी आई है. वहीं राजधानी मुंबई में कोरोना के 192 नए केस मिले. इनमें 8 ओमिक्रॉन वेरिएंट के केस शामिल हैं.महाराष्ट्र में सोमवार को कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या गिरकर 36,447 रह गई. पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना के कुल 90,479 टेस्ट किए गए. वहीं राज्य में कोविड-19 का पॉजिटिविटी रेट 2.17 फीसदी रहा. इस दौरान राज्य में कोरोना संक्रमण के कारण 12 लोगों की मौत हुई.

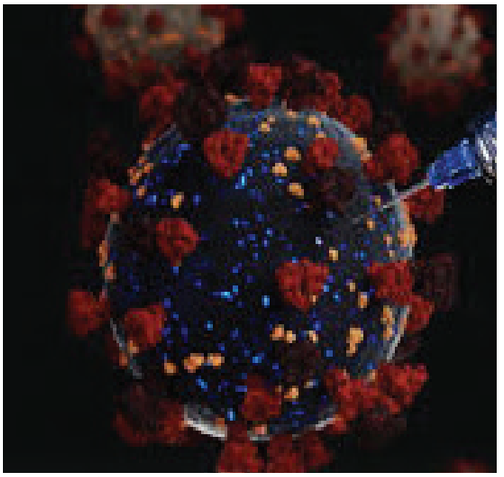

खास बात है कि पिछले 30 दिनों में राज्य के शहरी इलाकों से आने वाले कोविड-19 से जुड़े मामलों में भी कमी आई है. जबकि ग्रामीण इलाकों से आने वाले मामलों में वृद्धि देखने को मिली है. 15 जनवरी से 13 फरवरी के बीच महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई समीक्षा में यह पता चलता है कि जनवरी के दूसरे पखवाड़े में 550,626 केस मिले. इनमें से 352344 मामले शहरी क्षेत्रों से आए और 198282 मामले ग्रामीणों इलाकों में मिले.जबकि इसके बाद में 1 से 13 फरवरी के बीच में शहरी इलाकों से आने वाले मामलों में 51 फीसदी की गिरावट हुई जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 48 प्रतिशत केस घटे. राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि कोविड -19 संक्रमण की तीसरी लहर में दिसंबर 2021 के अंतिम सप्ताह से शहरी केंद्रों में वृद्धि देखी.अधिकारियों ने कहा कि मुंबई, ठाणे, पालघर और पुणे जैसे शहरी क्षेत्रों और जिलों के तालुका के कुछ हिस्सों में बड़ी संख्या में आबादी के कारण कोरोना के मामले बढ़े.

लेकिन धीरे-धीरे यह ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक फैल गया. हालांकि, ग्रामीण केंद्रों में वीकली पॉजिटिविटी रेट में गिरावट आ रही है, लेकिन रोजाना आने वाले मामले बढ़े.

स्टेट सर्विलांस ऑफिसर डॉ प्रदीप अवाटे ने बताया कि, मुंबई, थाणे, पालघर जैसे शहरी इलाकों में कोरोना का पॉजिटिविटी रेट गिरा है, जहां पहले कोरोना के सबसे अधिक मामले आए थे. वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में डेली पॉजिटिविटी रेट में बढ़ोतरी हुई है.

पहली पत्नी से तलाक के बगैर दूसरी पत्नी पेंशन की हकदार नहीं: बांबे हाई कोर्ट

मुंबई। किसी मृतक की पहली पत्नी से उसका कानूनी तलाक हुए बगैर उसकी दूसरी पत्नी को उसकी पेंशन का लाभार्थी नहीं माना जा सकता। मुंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को यह फैसला सुनाते हुए एक याचिकाकार्ता की याचिका खारिज कर दी। सोलापुर निवासी शमल टाटे ने राज्य सरकार के निर्णय को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में अपने मृतक पति की पेंशन का लाभ पाने के लिए याचिका दायर की थी। सोलापुर कलेक्टर कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रहे उसके पति महादेव ने पहले से विवाहित रहते हुए उससे विवाह किया था।

1996 में महादेव की मृत्यु के बाद उसकी दोनों पत्नियों में समझौता हुआ कि महादेव की सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाला 90 फीसद लाभ पहली पत्नी लेगी, लेकिन उसकी पेंशन दूसरी पत्नी लेगी। पहली पत्नी के निधन तक यह समझौता चलता रहा, लेकिन पहली पत्नी का कैंसर

से निधन होने के बाद महादेव की पेंशन का लाभ मिलना बंद हो गया। उसने चार बार राज्य सरकार का दरवाजा खटखटाया, लेकिन सरकार ने उसे महादेव की पत्नी मानने से इन्कार कर दिया। जबकि शमल टाटे का कहना था कि महादेव से उसके तीन बच्चे हैं, और समाज में उसे महादेव की पत्नी ही माना जाता है। 2019 में उसके द्वारा दायर याचिका पर बुधवार को फैसला सुनाते हुए उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों जेएस कत्थावाला और मिलिंद जाधव की खंडपीठ ने राज्य सरकार के फैसले को ही उचित ठहराया।

उसके दूसरे विवाह को वैध नहीं माना जा सकता। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में महादेव की पहली पत्नी के पेंशन पर दूसरी पत्नी के हक जताने को भी गलत ठहराया है।

संपादक

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

ध्रुवीकरण की जारी कवायद

उत्तर प्रदेश में इन चुनावों के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक सवाल पूछा गया कि ह्यआपका मुसलमानों के साथ कैसा रिश्ता है?ह्ल तो योगी ने सपाट जवाब दिया कि ह्यमेरा उनके साथ वैसा ही रिश्ता है, जैसा उनका मेरे साथ हैह्ल। इस जवाब को हर कोई अपनी तरह से देख सकता है, विश्लेषण कर सकता है, लेकिन सवाल के जवाब से परे एक अहम सवाल है कि इन चुनावों में मुसलमानों की क्या भूमिका होगी? क्या यह चुनाव सांप्रदायिक हो गया है? बाकी मुद्दे गौण हो गए हैं? मुख्यमंत्री आदित्यनाथ जब कहते हैं कि यह चुनाव 80-20 का हो गया है, तो इसके मायने क्या होते हैं? और जब भाजपा एक भी मुस्लिम उम्मीदवार को अपने टिकट पर नहीं उतारती व दूसरी पार्टियां उन्हें लामबंद करने की हरसंभव कोशिश करती हैं। ओवैसी जैसे नेता 19-11 का फॉमूर्ला लेकर आ जाते हैं, जिसके मायने हैं कि जब 11 फीसदी यादव चार-चार बार अपना मुख्यमंत्री बना सकते हैं, तो फिर 19 फीसदी मुसलमान ऐसा क्यों नहीं कर सकते? सिर्फ उन्हें एकजुट होने की जरूरत है और यदि ऐसा है, तो फिर सभी गैर-भाजपा पार्टियां मुस्लिम बहुल सीटों पर अपने-अपने मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर क्यों उन्हें बांटने की कोशिश कर रही हैं? क्या वजह है कि इतनी बड़ी आबादी के बावजूद प्रदेश स्तर पर या राष्ट्रीय स्तर पर कोई मुस्लिम चेहरा इस समाज का नेता नहीं बन पाया? और हर बार मुसलमानों ने गैर-मुस्लिम चेहरे के नेतृत्व पर भरोसा किया, चाहे फिर वह चौधरी चरण सिंह हों, विश्वनाथ प्रताप सिंह हों, कांशीराम हो या मुलायम सिंह यादव। क्या इस आबादी का कुछ हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे पर भरोसा करता है? क्या मुस्लिम महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा भाजपा सरकार के तीन तलाक को हटाने के कानून के बाद उनके साथ दिखाई देता है? ऐसे बहुत से सवाल इन चुनावों में तैर रहे हैं, और हर कोई अपना जवाब ढूंढ़ रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यूपी का चुनाव सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के साथ लड़ा तो जा रहा है, लेकिन इसका नतीजा इस आधार पर तय होता हुआ नहीं दिखता। इसकी एक बड़ी वजह वे शायद पिछले 2017 चुनाव के नतीजों में देखते हैं, जब मुस्लिम बहुल सीटों में से ज्यादातर पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की थी। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम बहुल 29 जिलों की 163 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 137 सीटों पर जीत हासिल की थी। उस वक्त समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, तब सपा को 21 और कांग्रेस को सिर्फ दो सीटें मिल पाईं। बहुजन समाज पार्टी को केवल एक सीट पर संतोष करना पड़ा। साल 2012 के चुनाव में समाजवादी पार्टी ने सरकार बनाई थी। उस वक्त समाजवादी पार्टी को मिली 225 सीटों में से 90 सीटें मुस्लिम बहुल आबादी वाली सीटें थीं। तब भाजपा को 22 और बसपा को तीस सीटें हासिल हुईं। यानी सरकार बनाने या बहुमत हासिल करने में मुस्लिम बहुल सीटों की अहम भूमिका है, लेकिन नतीजा इस बात से तय होता है.

क्षेत्रवाद की संकीर्ण राजनीति संविधान की भावना के खिलाफ ही नहीं

राष्ट्रीय एकता के लिए भी घातक

क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि जब पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी संत रविदास की जन्मस्थली वाराणसी में थे, तब एक दिन पहले उनकी ओर से दिए गए इस बयान की गूंज हो रही थी कि उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के लोग यहां आकर राज नहीं कर सकते और उन्हें पंजाब में फटकने नहीं देना है? उन्होंने इन प्रांतों के लोगों के लिए जिस तरह भइये शब्द का प्रयोग किया, उससे महाराष्ट्र की उन घटनाओं का स्मरण हो आया, जिनमें उत्तर भारत के लोगों के साथ कभी शिवसेना तो कभी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के लोग मारपीट किया करते थे।क्या शिवसेना की संगत में कांग्रेस के नेता यह भूलने लगे हैं कि वे राष्ट्रीय दल का प्रतिनिधित्व करते हैं? इससे खराब बात और कोई नहीं कि कांग्रेस सरीखे राष्ट्रीय दल के नेता और वह भी मुख्यमंत्री क्षेत्रीय दलों के नेताओं जैसी संकीर्णता का परिचय दें। क्षेत्रवाद की संकीर्ण राजनीति केवल संविधान की भावना के खिलाफ ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता के लिए भी घातक है। आज जब नौकरी, व्यापार, शिक्षा आदि के सिलसिले में देश के हर हिस्से के लोग दूसरे हिस्सों में जा रहे हैं और समय के साथ उनकी संख्या बढ़ रही है, तब पंजाब के मुख्यमंत्री को अन्य प्रांतों के लोगों के बारे में संभलकर बोलना चाहिए था।हालांकि चन्नीजी को मुख्यमंत्री बने कुछ ही महीने हुए हैं, लेकिन वह इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि पंजाब की खेती को सहारा देने और वहां के उद्योगों को संचालित करने में उत्तर प्रदेश एवं बिहार के लोगों का कितना योगदान है। लगता है उन्हें यह भी याद नहीं रहा कि महान योद्धा और सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह की जन्मस्थली तो बिहार ही है। यह समझ आता है कि चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सक्रियता रास न आ रही हो, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह क्षेत्रवाद की राजनीति को हवा देने लगेंयह हैरानी की बात है कि जब वह उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के लोगों के खिलाफ बोल रहे थे, तब उनके साथ मंच पर उपस्थित प्रियंका गांधी उनका उत्साहवर्धन कर रही थीं। क्या वह ऐसा करते समय यह भूल गईं कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को जिताने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी है? आखिर अब वह उत्तर प्रदेश के लोगों के सवालों का सामना कैसे करेंगी? क्षेत्रवाद की संकीर्ण राजनीति संविधान की भावना के खिलाफ ही नहीं, राष्ट्रीय एकता के लिए भी घातक ध्यान रहे कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति पहले से ही कमजोर है। चरणजीत सिंह चन्नी के बयान पर विरोधी दलों की आपत्ति स्वाभाविक है लेकिन किसी की ओर से ऐसा कुछ नहीं कहा जाना चाहिए जिससे क्षेत्रवाद की संकीर्ण राजनीति को बल मिले। क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि जब पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी संत रविदास की जन्मस्थली वाराणसी में थे, तब एक दिन पहले उनकी ओर से दिए गए इस बयान की गूंज हो रही थी कि उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के लोग यहां आकर राज नहीं कर सकते और उन्हें पंजाब में फटकने नहीं देना है? उन्होंने इन प्रांतों के लोगों के लिए जिस तरह भइये शब्द का प्रयोग किया, उससे महाराष्ट्र की उन घटनाओं का स्मरण हो आया, जिनमें उत्तर भारत के लोगों के साथ कभी शिवसेना तो कभी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के लोग मारपीट किया करते थेक्या शिवसेना की संगत में कांग्रेस के नेता यह भूलने लगे हैं कि वे राष्ट्रीय दल का प्रतिनिधित्व करते हैं? इससे खराब बात और कोई नहीं कि कांग्रेस सरीखे राष्ट्रीय दल के नेता और वह भी मुख्यमंत्री क्षेत्रीय दलों के नेताओं जैसी संकीर्णता का परिचय दें। क्षेत्रवाद की संकीर्ण राजनीति केवल संविधान की भावना के खिलाफ ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता के लिए भी घातक है।

आज जब नौकरी, व्यापार, शिक्षा आदि के सिलसिले में देश के हर हिस्से के लोग दूसरे हिस्सों में जा रहे हैं और समय के साथ उनकी संख्या बढ़ रही है, तब पंजाब के मुख्यमंत्री को अन्य प्रांतों के लोगों के बारे में संभलकर बोलना चाहिए था हालांकि चन्नीजी को मुख्यमंत्री बने कुछ ही महीने हुए हैं, लेकिन वह इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि पंजाब की खेती को सहारा देने और वहां के उद्योगों को संचालित करने में उत्तर प्रदेश एवं बिहार के लोगों का कितना योगदान है। लगता है उन्हें यह भी याद नहीं रहा कि महान योद्धा और सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह की जन्मस्थली तो बिहार ही है।

यह समझ आता है कि चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सक्रियता रास न आ रही हो, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह क्षेत्रवाद की राजनीति को हवा देने लगें। यह हैरानी की बात है कि जब वह उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के लोगों के खिलाफ बोल रहे थे, तब उनके साथ मंच पर उपस्थित प्रियंका गांधी उनका उत्साहवर्धन कर रही थीं। क्या वह ऐसा करते समय यह भूल गईं कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को जिताने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी है? आखिर अब वह उत्तर प्रदेश के लोगों के सवालों का सामना कैसे करेंगी?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बसपा सुप्रीमो मायावती की फोटो से छेड़छाड़

इंटरनेट मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी

सम्भल: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा सुप्रीमो मायावती के चित्र के साथ छेड़छाड़ करके इंटरनेट मीडिया पर डालने व अशोभनीय टिप्पणी करने को लेकर बुधवार को लोग आक्रोशित हो गए। सैकड़ों की संख्या में लोग रजपुरा थाने के तहत गवां पुलिस चौकी पहुंचे। पुलिस ने तत्काल ही विभिन्न धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। नामजद लोगों में पांच शामिल हैं, जो शिकायत के बाद लोगों को हड़का भी रह थे। पुलिस पांचों की तलाश में जुटी है।

कुशीनगर हादसे में मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये मुआवजे का एलान

घायलों का मुफ्त इलाज

कुशीनगर: उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के नौरंगिया टोला गांव में बुधवार रात हादसे में मृतकों की संख्या 13 हो गई है। जिला प्रशासन ने इस हादसे में मृतक आश्रितों को जिला प्रशासन ने चार-चार लाख रुपया आर्थिक सहायता देने की घोषणा करने के साथ घायलों के निशुल्क इलाज की भी व्यवस्था की है। इसके साथ ही कुंआ में एसडीआरएफ की टीमें अभी

भी शवों की तलाश में हैं। कुशीनगर के जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया कि कुशीनगर के नौरंगिया टोला गांव में बुधवार रात स्लैप से ढका पुराना कुआं पर हो रहे पूजा-पाठ के दौरान वहां पर बच्चे और महिलाएं बैठे हुए थे। इस दौरान स्लैप नीचे चला गया और मलबा उनके ऊपर गिर गया। 13 लोगों की मौत हुई है और तीन लोगों की हालत गंभीर है।

प्रत्येक मृतक के परिवार के लोगों को चार-चार लाख रुपए आर्थिक सहायता दी जाएगी।

कुशीनगर हादसे के मृतकों के परिवार के लोगों को दो-दो लाख रुपया और घायलों को 50-50 हजार की सहायता पीएम रिलीफ फंड से दी जाएगी।

दिल्ली में सात साल में बने 27 फ्लाईओवर

जनता को मिल रही मंत्री व अधिकारियों वाली सुविधाएं: केजरीवाल

नई दिल्ली। राजधानी में जिस तरह से जनसंख्या का दबाव बढ़ रहा है, ढांचागत विकास की जरूरत अधिक महसूस हो रही है। पिछले सात वर्षों में दिल्ली के ढांचागत विकास से संबंधित कई योजनाएं बनी और आगे बढ़ी हैं। इनमें कुछ जमीन पर भी उतरी हैं। इस सब के बीच सात साल में 27 फ्लाईओवर बने हैं और सात को बनाने का काम चल रहा है। इसी तरह अब तक दिल्ली में 34 फुट ओवरब्रिज बने हैं और 13 निमार्णाधीन हैं। इन पर यातायात शुरू हो जाने से जनता को कुछ हद तक जाम से निजात मिली है। दिल्ली सरकार का दावा है कि उक्त परियोजनाओं में करोड़ों की राशि भी बचाई गई है।ढांचागत

विकास की बात करें तो सबसे अंत में अक्टूबर 2020 में शास्त्री पार्क और सीलमपुर फ्लाईओवर को जनता को समर्पित किया गया है।

छह लेन वाले शास्त्री पार्क फ्लाईओवर और दो लेन वाले सीलमपुर फ्लाईओवर के बनने से इस रूट पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिली है।

इन फ्लाइओवर से अब आइएसबीटी से लेकर यूपी बार्डर तक का सफर 10 मिनट में तय किया जा रहा है। इसमें पहले तीस मिनट लगते थे। इसके पहले जुलाई 2019 में राव तुलाराम फ्लाईओवर जनता को समर्पित किया गया था।

फतेहपुर में दूसरी बार जनसभा करने आ रहे -पीएम मोदी

फतेहपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फतेहपुर की सरजमी में दूसरी बार आ रहे हैं। बांदा-सागर मार्ग में पीसीएफ गोदाम के पास जनसभा के लिए पंडाल और मंच पूरी तरह से तैयार है और सुरक्षा के कड़े इंताजम किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने जनसभा से बांदा-फतेहपुर की सभी दस सीट पर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाएंगे। इसके साथ ही आसपास की सभी विधानसभा क्षेत्रों वर्चुअल प्रसारण होगा। प्रधानमंत्री का हेलीकाप्टर जनसभा स्थल में 15:40 बजे उतरेगा। इसके पहले वह 19 फरवरी 2017 को विधानसभा चुनाव की रैली

को संबोधित करने इसी स्थान पर आए थे। पांच साल बाद वह उसी स्थान पर रैली करके चुनावी माहौल को धार देंगे। प्रधानमंत्री 65 मिनट जिले में प्रवास करेंगे। मंच स्थल में वह 55 मिनट रहेंगे। मंच पर 29 हस्तियों को स्थान मिलेगा, केंद्रीय मंत्री-सांसद साध्वी निरंजन ज्योति, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कानपुर-बंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, बांदा और रायबरेली के जिलाध्यक्षों के संग 11 प्रत्याशी प्रमुख होंगे।

अमित शाह ने फिरोजाबाद में कहा, भारतीय जनता पार्टी की सीटें 300 प्लस

आगरा। फिरोजाबाद जनपद की शिकोहाबाद सीट पर गुरुवार दोपहर जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पहले दो चरणों के मतदान में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है। भारतीय जनता पार्टी की 300 प्लस सीटें रहेंगे। उन्होंने कहा कि शिकोहाबाद वालों को हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूं। जहां भी नजर जाती हैं मुंड ही मुंड नजर आते हैं। मैं भगवान कृष्ण को प्रणाम करता हूं। इसी जगह जरासंध को पराजित किया। यहां जैन और हिंदू एकता का प्रतीक है। वीर सेनानी काली चरण गुप्ता शहीद हेम सिंह को प्रणाम करता हूं।जनसभा में अमित शाह ने कहा कि पहले और दूसरे चरण में सपा का सूपड़ा साफ हो गया है। 300 से ज्यादा सीटों के साथ भाजपा की सरकार बन रही है, आप एक बार फिर जिता दीजिए। उन्होंने कहा कि हम ने गरीब कल्याण के लिए ढेर सारे काम किए। 2014 में मोदीजी ने कहा था कि ये गरीब पिछड़ों की सरकार है। मोदी जी ने योगी जी को भेजा और घर घर योजनाएं पहुंची। उन्होंने कहा कि एक करोड़ 67 लाख लोगों को गैस कनेक्शन मोदी जी ने दिया। योगी जी ने दो करोड़ से ज्यादा घर दिए। सपा सरकार में बिजली रानी आती थी क्या, अखिलेश कहते हैं कि 200 यूनिट बिजली फ्री देंगे। हम कहते है कि आप फ्री की बात करते हो आप तो बिजली भी नहीं दे पाते थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा अखिलेश यादव कोरोना वायरस से बचाव की वैक्सीन को लगवाने के लिए सबको मना करते थे और बाद में खुद ने कोरोना का टीका लगवा लिया। 130 करोड़ लोगों को मोदी जी ने टीका लगवा कर तीसरी लहर से बचाया। कोरोना काल में मोदी जी ने दो करोड़ लोगो को मुफ्त राशन दिया।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

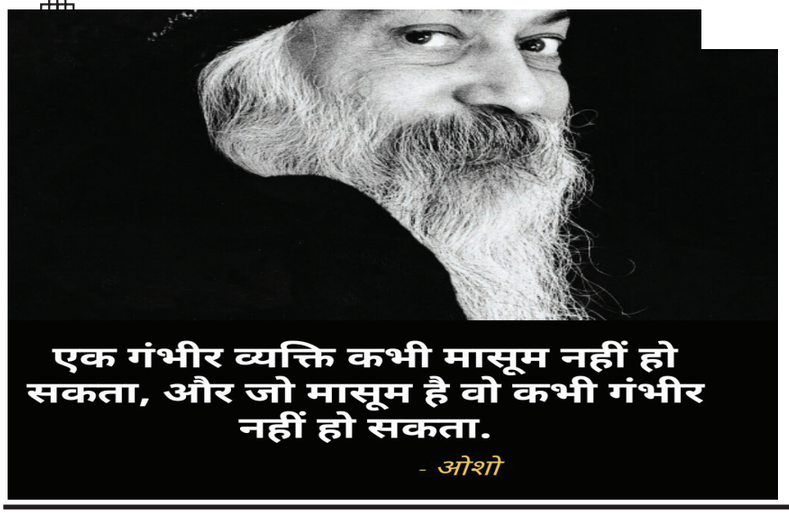

कोई मिटना नहीं चाहता। कोई मिटने की तैयारी में नहीं है। और समर्पण के बिना प्रेम न होगा पूरा। बिना मिटे वह परम अनुभूति न होगी।

और मिटे कोई कैसे? पति पत्नी के लिए मिटे, पत्नी के लिए मिटे? बहुत चेष्टाएं समाज ने कर लीं। लाख समझाया है स्त्रियों को, कि परमात्मा है। पतिया ने ही समझाया है। पुरुषों ने ही समझाया है कि तुम दासी हो। वे लिखी भी हैं पत्र में, कि तुम्हारी दासी; लेकिन पत्र मग यह भाव नहीं होता। नीचे दस्तखत में होता है सिर्फ। पति को वे कहती भी हैं कि तुम स्वामी हो। लेकिन उनके व्यवहार से कहीं दिखाई नहीं पड़ता। औपचारिकता दिखाई पड़ती है। पुरुष की चेष्टा रही कि स्त्री झुक जाए, स्त्री की चेष्टा रही कि पुरुष झुक जाए। पुरुष ने आक्रमण के उपाय किए हैं। स्त्री ने ज्यादा सूक्ष्म उपाय किए हैं। वे आक्रमण के नहीं हैं। वे ज्यादा हन हैं। पुरुष सीधा ही सिर पकड़कर झुकाना चाहता है। स्त्री पैर पकड़कर चाहती है। लेकिन झुकाना चाहती है।

जारी.....

डायबिटीज में चीनी की जगह Stevi (मीठी तुलसी) का प्रयोग कितना सुरक्षित है?

आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी-बूटियां हैं, जिनका उपयोग ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रखने के लिए किया जाता है। इन्हीं में स्टीविया भी शामिल है। स्टीविया एक ऐसी जड़ी बूटी है, जो चीनी की तरह मीठी होती है। इसकी पत्तियां तुलसी की तरह दिखती हैं, इसलिए इसे मीठी तुलसी भी कहा जाता है। डायबिटीज रोगियों के लिए स्टीविया काफी फायदेमंद होती है, इससे उनका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। डायबिटीज रोगी चीनी के बजाय स्टीविया को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। चलिए कंसल्टेंट एंडोक्रिनोलॉजी डॉक्टर अभिजीत भोगराज, हेब्बली से विस्तार से जानते हैं डायबिटीज रोगियों के लिए स्टीविया कैसे फायदेमंद है। स्टीविया यानी मीठी तुलसी पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें आयरन, प्रोटीन, फाइबर, मैग्नीशियम, पोटैशियम, विटामिन ए और विटामिन सी काफी अच्छी मात्रा में होता है। मीठी तुलसी एंटीऑक्सीडेंट का भी अच्छा सोर्स है। इसे डायबिटीज रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है।डायबिटीज रोगियों के लिए स्टीविया की पत्तियां काफी लाभदायक होती हैं। स्टीविया की पत्तियां ब्लड शुगर को कंट्रोल रखती हैं, साथ ही मोटापे को भी कम करने में कारगर मानी जाती हैं। स्टीविया की पत्तियां हृदय रोग के जोखिम को भी कम करती हैं। डायबिटीज रोगियों में ब्लड शुगर कभी हाई तो कभी कम हो जाता है।

फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की होगी मराठी रीति-रिवाज से शादी?

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर और उनकी गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दोनों पिछले 3 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इन दोनों की 21 फरवरी को सिविल सेरेमनी होने वाली है। लेकिन अब रिपोर्ट्स की माने तो सिविल सेरेमनी से पहले ये दोनों को महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाजों के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले है। इन दोनों की शादी फरहान अख्तर के खंडाला फार्म हाउस में शनिवार को होने वाली है। खबरों की माने तो इन दोनों की शादी काफी निजी होगी, जिसमें केवल उनके परिवार के सदस्य ही शामिल होंगे।हिंदुस्तान टाइम्स में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक 21 तारीख को सिविल शादी करने से पहले ये दोनों फरहान अख्तर के फार्म हाउस पर 19 फरवरी को मराठी रीति-रिवाज से शादी के बंधन में बंधेंगे। उनके करीबी सूत्रों की मानें तो फरहान अख्तर दांडेकर का परिवार इन दोनों की शादी को लेकर काफी सतर्क है। वह नहीं चाहते कि मीडिया किसी भी तरह से वेन्यू पर पहुंचें। इन दोनों की शादी में केवल उनके परिवार और करीबी लोगों को निमंत्रण भेजा गया है। हालांकि फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की शादी के फंक्शन कैसे होंगे, यह अब तक क्लियर नहीं हो पाया है, लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों की मराठी रीति-रिवाज से शादी होगी। रिपोर्ट्स की माने तो इन दोनों का परिवार 18 फरवरी की शाम को खंडाला के लिए रवाना होगा और इन दोनों की शादी का फंक्शन पूरे एक दिन तक चलने वाला है। खबर है कि शिबानी दांडेकर की बहन अनुषा दांडेकर और उनके करीबी दोस्तों ने बैचलर पार्टी और प्री-वेडिंग फंक्शन का जिम्मा अपने कंधों पर लिया है, जोकि 17 फरवरी और 18 फरवरी को होने वाले हैं।

फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर पिछले तीन साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों अपने प्यार का इजहार करने से बिलकुल भी नहीं कतराते हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों अपनी रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते हैं।

यश धुल का रणजी ट्राफी में धमाकेदार आगाज, डेब्यू मैच में ठोका शतक

नई दिल्ली। भारत के अंडर 19 टीम के विश्व चैंपियन कप्तान ने गुरुवार 17 फरवरी को अपना फर्स्टक्लास डेब्यू किया। रणजी ट्राफी टूनार्मेंट में अपना पहला मैच खेलने उतरे यश ढुल ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए शतक जड़ दिया। पहले ही मैच में ऐसी यादगार पारी खेलते हुए इस बल्लेबाज ने दिल्ली की टीम को शुरूआती झकटों से उबारा।दिल्ली इस सीजन के अपने पहले रणजी मुकाबले में तमिलनाडु के खिलाफ खेलने उतरी। कप्तान विजय शंकर ने टास जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली के लिए पारी की शुरूआत करने ध्रुव शौरी के साथ डेब्यू कर रहे यश ढुल उतरे। टीम को जल्दी जल्दी दो झटके लगे। 1 रन बनाकर ध्रुव आउट हुए जबकि हिम्मत सिंह खाता भी नहीं खोल पाए। 7 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद टीम को यश ने नितिश राणा के साथ संभाला। अपना पहला रणजी मैच खेलने उतरे अंडर 19 विश्व कप विजेता कप्तान यश ने दमदार बल्लेबाजी की। पहले ही मैच में किसी अनुभवी बल्लेबाज की तरह पारी को संभाला भी जमकर शाट भी लगाए। 14 चौके की मदद से उन्होंने 57 गेंद खेलकर हाफ सेंचुरी पूरी कि। इस दौरान तीसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। लंच पर जाने के वक्त दिल्ली का स्कोर 3 विकेट पर 144 रन था। यश 104 गेंद पर 84 रन बनाकर वापस लौटे थे। लंच के बाद भी इस युवा ने अपनी दमदार बल्लेबाजी जारी रखी। 16 चौके जमाते हुए यश ने अपने पहले ही रणजी मैच में धमाकेदार शतक बना डाला। हाल ही में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को अंडर 19 विश्व कप फाइनल में हराकर खिताब अपने नाम किया है। इस टूनार्मेंट के दौरान भारतीय टीम ने एक भी मैच नहीं गंवाया। भारत के लिए सेमीफाइनल में यश ढुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक जमाया। उनकी बेहतरीन कप्तान के दम पर ही टीम इंडिया ने यह खिताब जीता।

पहली बार कोई कैबिनेट मिनिस्टर रणजी टीम के प्लेइंग इलेवन में, मैदान पर उतर रचा इतिहास

कोलकाता। क्रिकेट के जनक इंग्लैंड में भले ही यह खेल सज्जनों का खेल (जेंटलमैंस गेम) कहा जाता है, लेकिन भारत में इसकी शुरूआत राजे-रजवाड़ों के खेल के तौर पर हुई। देश के पहले प्रथम श्रेणी क्रिकेट टूनार्मेंट रणजी ट्राफी का नामकरण केएस रणजीत सिंह के नाम पर हुआ, जो नवानगर के महाराजा थे। 1934-35 में हुए पहले रणजी टूनार्मेंट की ट्राफी पटियाला के महाराजा भूपिंदर सिंह ने दान की थी।वक्त गुजरता गया, आज क्रिकेट राजे-रजवाड़ों के खेल से आम आदमी का खेल बन गया। हालांकि, रणजी ट्राफी खेलने वाले क्रिकेटरों की फेहरिस्त में कुछ मंत्रियों के नाम भी शामिल हैं। इनमें सबसे खास मनोज तिवारी हैं। मनोज देश के पहले ऐसे क्रिकेटर बने हैं, जो मंत्री रहते प्रथम श्रेणी क्रिकेट टूनार्मेंट में उतरे। 17 फरवरी को कटक के बाराबाती स्टेडियम में बड़ौदा के खिलाफ मैच खेलने के लिए उतरते ही वह यह कीर्तिमान अपने नाम किया। 36 साल के मनोज बंगाल के खेल राज्य मंत्री हैं। उन्होंने पिछले साल ही ममता सरकार में मंत्रिपद संभाला है।वैसे मनोज रणजी क्रिकेट में पहले से ही चिर परिचित नाम हैं। उन्होंने अपने डेढ़ दशक से भी लंबे करियर में रणजी ट्राफी के कई सत्र खेले हैं। मनोज ने अब तक 125 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, जिनमें 100 रणजी मैच शामिल हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 50.36 के औसत से 8,965 रन बनाए हैं, जिसमें 27 शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 303 रन का है। 2020 में रणजी ट्राफी जीतने वाली बंगाल टीम के वह अहम सदस्य थे। अब तक उन्होंने क्रिकेटर के तौर पर ही रणजी मैच खेले हैं, लेकिन इस सत्र में वह मंत्री के तौर पर भी खेलते नजर आएंगे।

वैसे मनोज रणजी खेलने वाले बंगाल के पहले खेल राज्य मंत्री नहीं हैं। इससे पहले लक्ष्मी रतन शुक्ला भी रणजी खेल चुके हैं, लेकिन शुक्ला ने मंत्री बनने से पहले रणजी ट्राफी खेली थी। राजनीति में आने से पहले ही उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

अंडर-19 विश्व चैंपियन कप्तान यश ढुल ने रणजी डेब्यू में जड़ी शानदार हाफ सेंचुरी

नई दिल्लीः गुरुवार 17 फरवरी 2022 से रणजी ट्राफी के पहले चरण की शुरूआत हुई। बीसीसीआइ के इस घरेलू टूनार्मेंट का यह चरण भारत के लिए अंडर 19 विश्व कप ट्राफी जीतकर लौटे कप्तान यश ढुल के लिए अहम है। तमिलनाडु के खिलाफ वह अपने फर्स्टक्लास डेब्यू करने उतरे। पहले ही मुकाबले में इस खास खिलाड़ी ने करियर का खास आगाज किया।तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली रणजी टीम इस सीजन के अपने पहले मैच में खेलने उतरी। मैच के पहले दिन टीम टास हारने के बाद टीम बल्लेबाजी करने उतरी। भारतीय अंडर 19 टीम के कप्तान यश इस मैच से अपना फर्स्टक्लास डेब्यू करने उतरे। पहला मैच खेल रहे इस बल्लेबाज को दिल्ली की तरफ से ओपनिंग करने भेजा गया और पहली ही पारी उन्होंने धमाकेदार अंदाज में खेल डाली।

भारत के अंडर 19 विश्व कप चैंपियन कप्तान यश ने अपने पहले फर्स्टक्लास मैच को यादगार बनाते हुए शानदार अर्धशतक जमाया। पहले मैच में उतरने के बाद भी वह किसी अनुभवी बल्लेबाज की तरह नजर आए। 57वीं गेंद पर 10 चौके की मदद से अपने पचास रन पूरे किए। डेब्यू मैच में ही अर्धशतक जड़ इस बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा का एक बार फिर लोहा मनवाया।हाल ही में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को अंडर 19 विश्व कप फाइनल में हराकर खिताब अपने नाम किया है।

भाजपा नेता किरीट सोमैया को मुंबई पुलिस ने समन जारी किया

मुंबई। मुंबई पुलिस ने भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया को समन जारी कर उनके खिलाफ कोविड-19 नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में तलब किया है। मिली जानकारी के अनुसार सोमैया के खिलाफ पिछले साल सितंबर में उपनगरीय सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत 188 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।सांताक्रूज पुलिस ने सोमवार को भाजपा नेता सोमैया को अपने लिखित बयान के साथ 15 दिनों के भीतर उनके सामने पेश होने के लिए तलब किया, अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सोमैया ने गुरुवार को समन की प्रति ट्वीट की और कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार की पुलिस ने उनके खिलाफ सांताक्रूज में राज्य मंत्री छगन भुजबल की बेनामी संपत्ति का दौरा करने के लिए एक और मामला दर्ज किया था। सांताक्रूज पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि सोमैया को पिछले साल उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में तलब किया गया है, जब उन्होंने सांताक्रूज (पश्चिम) के हसनाबाद लेन में भुजबल के बंगले का दौरा किया था।सोमैया ने बुधवार को आरोप लगाया था कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने हाल ही में एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान रायगढ़ जिले के कोरलाई गांव में 19 बंगलों के पुराने विवाद का जानबूझकर उल्लेख किया था क्योंकि वह मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ह्लद्वेषह्व रखते थे। जब उनके खिलाफ कुछ आरोप लगाए गए थे तो वे उनका समर्थन नहीं कर रहे थे।गुरुवार को, सोमैया ने 23 मई, 2019 को एक पत्र की प्रतिलिपि ट्वीट की, जिसमें दावा किया गया कि रश्मि ठाकरे ने उनके नाम पर रायगढ़ में कुछ घरों को स्थानांतरित करने के लिए एक लिखित आवेदन प्रस्तुत किया था। उन्होंने दावा किया कि सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत प्राप्त जानकारी से पता चलता है कि रश्मि उद्धव ठाकरे और मनीषा रवींद्र वायकर ने जनवरी और मई 2019 में कोरलाई गांव के सरपंच हेमंत शांताराम पाटिल को पत्र लिखकर 787 से 805 तक की संख्या वाले घरों के हस्तांतरण का अनुरोध किया था।

नक्सलियों की धमकी के बाद महाराष्ट्र के शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे की सुरक्षा बढ़ाई गई

ठाणे: महाराष्ट्र के शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को राज्य के गढ़चिरौली जिले में नक्सलियों द्वारा कथित तौर पर उनके कार्यकर्ताओं की हत्या का बदला लेने की धमकी वाला एक पत्र मिला है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि यह पत्र शुक्रवार को यहां ठाणे और गढ़चिरौली के संरक्षक मंत्री शिंदे के आवास पर भेजा गया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। मंत्री ने बाद में कहा कि गढ़चिरौली में नक्सल समस्या से निपटने का एकमात्र तरीका विकास है। पिछले साल नवंबर में गढ़चिरौली जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में उनके एक शीर्ष कमांडर सहित 26 नक्सली मारे गए थे। अधिकारी के अनुसार, धमकी भरे पत्र के संबंध में ठाणे पुलिस को मिली शिकायत को जांच के लिए अपराध शाखा को सौंप दिया गया है। शनिवार रात यहां पत्रकारों से बात करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि उन्हें पहले भी इस तरह की धमकियां मिली थीं। गढ़चिरौली के संरक्षक मंत्री के रूप में जिले की देखभाल करना मेरा कर्तव्य है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net